सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 201 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 28 अगस्त, 2025
मूल्य ₹ 3/-

एक साथ आना एक शुरूआत है। एक साथ रहना प्रगति है। एक साथ काम करना सफलता है।

-हेनरी फोर्ड

यूपी टी-20 : मोएडा सुपर किंग्स ने... 7
बिहार में एडीए सरकार पर आक्रोश... 3
प्रतिशोधात्मक टैरिफ भाजपा सरकार... 2

नीतीश की घटती ताकत लाएगी वोटों की आफत!

सिर्फ नीतीश के सहारे नहीं रहना चाहती बीजेपी

» छोटे दलों को बड़ी ताकत माइक्रो फ्रेक्शन पर बीजेपी का फोकस

» माइक्रो राजनीति पर बीजेपी का जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए में सीट शेयरिंग का इंतज़ार आखिरकार खत्म हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली दौरे के बाद यह तस्वीर साफ हो गई है कि अबकी बार जदयू 102 सीटों पर लड़ेगी जबकि भाजपा 101 सीटों पर किस्तमत आजमायेगी। पहली नज़र में लगता है कि दोनों बराबर हैं लेकिन असलियत यह है कि यह नीतीश कुमार की ताक़त में बड़ी कटौती है।

पिछली बार वे 115 सीटों पर चुनाव लड़े थे और खुद को एनडीए में बड़ा भाई साबित कर रहे थे। इस बार 13 सीटें कम होना संदेश देता है कि उनकी राजनीतिक हैसियत धीरे-धीरे सिकुड़ रही है। इस बार के बंटवारे में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि छोटे दलों को भरपूर हिस्सेदारी दी गई है। लोजपा (रामविलास) की पार्टी को 20 सीटें मिली हैं। रालोम (उपेंद्र कुशवाहा) के खाते में 10 सीटें गयी हैं और जीतन राम मांझी की हम पार्टी को भी 10 सीटों पर चुनाव लड़ना तय किया गया है। यानी कुल 40 सीटें छोटे सहयोगियों के खाते में गईं। यह भी साफ संकेत है कि भाजपा अब चुनावी लड़ाई को सिर्फ नीतीश के भरोसे नहीं छोड़ना चाहती। छोटे दलों को तरजीह देकर उसने जदयू के लिए जगह और सीमित कर दी है।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए सीट शेयरिंग

दिल्ली से कमजोर होकर लौटे सीएम

नीतीश कुमार दिल्ली गए थे ताक़त दिखाने लेकिन लौटे कमज़ोर होकर है। सूत्र बताते हैं कि सीट शेयरिंग को लेकर हुई बैठक में भाजपा ने साफ कर दिया कि इस बार वह बड़ा भाई की भूमिका में होगी। नीतीश को मजबूरी में समझौता करना पड़ा। यह वही नीतीश हैं जो कभी सीट बंटवारे पर भाजपा को आखें दिखा देते थे लेकिन आज हालत यह है कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें हम सब मिलकर लड़ रहे हैं जैसी सफाई देनी पड़ी रही है।

पटना में पुलिस पर हमला और नाबालिग छात्रा की मौत के बाद बवाल, विपक्ष उठा रहा सवाल

सत्ता में बैठी पार्टियां चुनावी रणनीति बना रही थीं उधर राज्य की कानून व्यवस्था पर विपक्ष सवाल उठा रहा है। वहीं पांचवीं कक्षा की छात्रा की मौत के मामले पर आज फिर बवाल शुरू हो गया है। आक्रोशित परिजन और स्थानीय लोगों ने घटना के विरोध में सड़क जाम कर दिया है। इस बात की जानकारी मिलने पर पुलिस जब जाम हटाने घटनास्थल पर पहुंची तो आवेश में स्थानीय लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिए, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। मामला गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के आमला टोला के पास की है। फिलहाल सचिवालय डीएसपी समेत तीन थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच स्थिति को संभालने में जुटे हुए हैं।

धीरे-धीरे भाजपा का कब्जा

भाजपा की रणनीति बिल्कुल साफ है। नीतीश कुमार को कमजोर कर वह धीरे-धीरे बिहार की राजनीति पर अपनी पूरी पकड़ बनाना चाहती है। बीजेपी ने इस? दिशा में इस बार मजबूत कदम भी उठाया है और यह सीट शेयरिंग उसी कदम की आहट है। 2020 में भाजपा 74 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। अब सीट बंटवारे में बराबरी दिखाकर उसने संदेश दे दिया कि 2025 के बाद एनडीए का असली चेहरा भाजपा होगी। मौजूदा स्थिति नीतीश को हाशिए पर धकेलने की ओर इशारा करती है।

खुश है राजद

आरजेडी और कांग्रेस इस पूरे घटनाक्रम पर खुलकर हमला बोल रही हैं। तेजस्वी यादव ने ट्वीट कर कहा है कि नीतीश जी की हालत तो अब गाड़ी की डिक्की जैसी हो गई है जगह है पर खुलने की ताक़त नहीं। वहीं कांग्रेस नेताओं का कहना है कि भाजपा धीरे-धीरे नीतीश को खा रही है और यह बिहार की राजनीति में अंतत: जदयू का पतन साबित होगा।

वर्तमान बिहार विधानसभा में एनडीए की स्थिति

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में भाजपा को 74 सीटें हासिल हुई थी। उप चुनाव में भाजपा ने राजद की कुढ़नी सीट छीन ली। विकासशील इंसान पार्टी के तीनों विधायकों को भाजपा ने अपनी पार्टी में मिला लिया। इस तरह भाजपा के विधायकों की संख्या 78 हो गई थी। फिर लोकसभा चुनाव में राजद और भाकपा-माले के एक-एक विधायक सांसद बने तो उप चुनाव 2024 में दोनों सीटें भाजपा ने अपने खाते में कर अपनी संख्या 80 कर ली। दूसरी तरफ, एनडीए के घटक जदयू को बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में 43 सीटें ही मिली थीं। जदयू ने बहुजन समाज पार्टी और लोक जनशक्ति पार्टी के एक-एक जीते विधायकों को शामिल करा अपनी संख्या 45 विधायक की। जदयू विधायक बीमा भारती के राजद में जाने से यह संख्या 44 रह गई। उप चुनाव 2024 में बेलागंज सीट राजद से छीनकर जदयू ने अपनी संख्या 45 कर ली। मांझी की पार्टी हम-से के चार विधायक जीते थे। मांझी लोकसभा चुनाव में उतर खुद सांसद बने तो उप चुनाव में उनकी सीट उन्हीं की पार्टी के खाते में आ गई। मतलब, चार के चार हैं। लोजपा के एक विधायक ने जीत दर्ज की थी, जो जदयू में चले गए। इस तरह चिराग की पार्टी विधानसभा में नहीं है। कुशवाहा को पिछले चुनाव में कुछ हासिल नहीं था।

चिराग को ताकत नीतीश के लिए खतरा

नीतिश कुमार के लिए सबसे बड़ा झटका चिराग पासवान की पार्टी को दी गई 20 सीटें हैं। याद कीजिए 2020 में चिराग ने नीतीश के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोला था और जदयू को तगड़ा नुकसान पहुँचाया था। इस बार भाजपा ने उन्हें सीधे-सीधे एनडीए में जगह देकर नीतीश की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। यह वही चिराग हैं जिन्हें नीतीश हमलावर कहते थे। अब उनके साथ बैठकर तालमेल करना पड़ेगा।

प्रतिशोधात्मक टैरिफ भाजपा सरकार की नाकाम नीतियों का परिणाम: अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- तबाही की कगार पर खड़े हैं प्रदेश के निर्यातक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ को लेकर जहां अपनी बात रखी वहीं केंद्र सरकार को घेरना। साथ ही सपा प्रमुख ने यूपी निर्यातकों की समस्याओं का भी उठाया। उन्होंने कहा टैरिफ से यूपी का निर्यात प्रभावित हुआ है। प्रतिशोधात्मक टैरिफ भाजपा सरकार की नाकाम नीतियों का परिणाम है। इसका खामियाजा निर्यातक व उन पर निर्भर बाकी व्यवसायों व कामगार, शिल्पकार के परिवार भुगतेंगे।

अखिलेश ने निर्यातकों को संबोधित एक पत्र में कहा कि उत्तर प्रदेश के निर्यातक तबाही के कगार पर खड़े हैं। ऐसे समय में सरकार सामने आए और ओडीओपी के तहत आने वाले सभी उत्पादों को विशेष राहत प्रदान करे व अन्य उत्पादों को भी सुरक्षा दे। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो लाखों निर्यातकों का कारोबार ठप हो जाएगा और करोड़ों लोग बेरोजगार हो जाएंगे। इससे प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या और भी विकराल रूप से लेगी।

सरकार इस कठिन समय में प्रदेश के उद्योगों को सहायता दे

उन्होंने कहा कि सरकार अगर इस कठिन समय में प्रदेश के उद्योगों को सहायता और संरक्षण प्रदान नहीं करेगी तो फिर सरकार के होने का क्या मतलब रह जाएगा। उन्होंने निर्यातकों से कहा कि यह समय हर भेद को भूलकर एकजुट होकर, बात-बात पर दबाव बनाकर चंदा वसूलने वाली भाजपा सरकार के सामने अपनी मांगों को पुरजोर तरीके से रखने और मनवाने का है। हम आपके साथ हैं, क्योंकि ये लाखों परिवारों की आजीविका और जीवनयापन का विषय है।

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार व अपराध चरम पर

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के वोट चोरी की चर्चा आम जनता में है। भ्रष्टाचार, लूट बेइमानी चरम पर है। इस सरकार में जल जीवन मिशन से लेकर कई विभागों में भारी भ्रष्टाचार और घोटाले हुए हैं। बिजली संकट से प्रदेशवासी परेशान है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। अपराधी खुलेआम हत्या व लूट की घटनाएं कर रहे है। नौकरी, रोजगार भाजपा सरकार के एजेंडे में नहीं है।

नौजवानों को विदेश में रोजगार का झांसा दे रही सरकार

प्रदेश सपा मुख्यालय पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नेताओं व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश में नौकरी, रोजगार खत्म हो गया है। सरकार नौजवानों को विदेश में रोजगार का झांसा दे रही है। भाजपा सरकार के पास बेरोजगारी का समाधान नहीं है। नौजवान, किसान, व्यापारी संकट में है। प्रदेश में किसानों को खाद नहीं मिल रही है। खाद के लिए किसान धरना-प्रदर्शन करने पर मजबूर है। किसानों को खाद के बजाय लाठियां मिल रही है।

सपा से निष्कासित पूजा पाल ने डीजीपी से की शिकायत

समाजवादी पार्टी से निष्कासित विधायक पूजा पाल ने डीजीपी राजीव कृष्ण से मुलाकात कर सोशल मीडिया पर उनके बारे में की जा रही अभद्र टिप्पणियों को लेकर शिकायत की है। डीजीपी ने प्रयागराज पुलिस से ऐसी टिप्पणियां करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। बता दें कि पूजा पाल ने डीजीपी से मिलकर उन्हें पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने सपा से निष्कासित होने के बाद सोशल मीडिया पर लगातार निशाना बनाए जाने का जिक्र किया है। उन्होंने डीजीपी से कहा कि उनके खिलाफ गलत और भ्रामक बयान देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पार्टी से हटाए जाने के बाद कुछ लोग सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के सामने अपना नंबर बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर उनके निजी जीवन के बारे में अनाप-शनाप लिख रहे हैं। उन्होंने अपने पत्र में ऐसी टिप्पणियां करने वाले कुछ लोगों के नाम भी बताए हैं।

अपने कार्यकाल की वृद्धि बताएं सीएम सैनी: हुड्डा

» सीएम बोले- कांग्रेस शासन से कम बढ़े कलेक्टर रेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सदन में कहा कि पहले की सरकार के मुकाबले इस बार कलेक्टर रेट में कम वृद्धि हुई है। इस पर पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि अभी कितना रेट बढ़ा है वो तो बता दो। मुख्यमंत्री इनेलो विधायक अदित्य देवीलाल व अर्जुन चौटाला के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे।

विधायक रामकुमार गौतम ने एक बार फिर कलेक्टर रेट और बढ़ाने की मांग रखी। सीएम ने बताया कि 2004 से 2014 तक कलेक्टर रेट में 25 फीसदी और मौजूदा सरकार में केवल 9.69 फीसदी की वृद्धि हुई है। स्टांप शुल्क में 2008 से अब तक पुरुषों के लिए 7 फीसदी (इसमें 2 फीसदी विकास शुल्क शामिल) और महिलाओं के लिए 5 फीसदी की दर लागू है। अदित्य

देवीलाल ने कहा कि कलेक्टर रेट में बेतहाशा वृद्धि से जमीन खरीदना आम आदमी के लिए संभव नहीं है। गुरुग्राम का गोल्फ कोर्स रोड जहां देश के सबसे अमीर लोग रहते हैं। वहां एक फ्लैट का दाम 190 करोड़ रुपये है। वहां 10-30 फीसदी कलेक्टर रेट बढ़ाए गए हैं लेकिन फतेहाबाद जैसे किसानी क्षेत्रों में 133 फीसदी तक वृद्धि की गई है।सीएम ने कहा कि कलेक्टर रेट की शुरुआत अंग्रेजों के शासनकाल में हुई थी। उस समय कांग्रेस भी विधायिका का हिस्सा थी। शायद कांग्रेस सदस्यों से सलाह लेकर ही कलेक्टर रेट लगाया गया होगा। इस पर विधायक आफताब अहमद ने कहा कि इसका ठीकरा भी अब आप हम पर फोड़ दो।

आंकड़ों की बाजीगरी कर झूठी तस्वीरें दिखा रही भाजपा सरकार: अजय राय

» कांग्रेस अध्यक्ष बोले- गरीब अव्यवस्था के कारण गवां रहे अपनी जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि एक तरफ जहां गरीब अव्यवस्था के कारण अपनी जान गवां रहे हैं। वही दूसरी तरफ सरकार आंकड़ों की बाजीगरी कर झूठी तस्वीरें दिखाकर ईनाम हासिल कर रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संवेदनहीनता यह है कि सरकार द्वारा मौतों को छुपाया जा रहा है।

राजधानी में जानकीपुरम सेक्टर-7 निवासी राजेश कौशल जो फेरी करके अपने परिवार का पालन करते थे। उनकी मौत डायरिया से हुई। जिसका मुख्य कारण प्रदूषित सीवर युक्त पानी है, किंतु सरकार की तरफ से कारण कुछ और बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में सफाई के मामले में लखनऊ का तीसरा स्थान है। प्रदेश

की राजधानी है और तो और देश के रक्षामंत्री का संसदीय क्षेत्र भी है। किंतु बहुत ही अफसोस की बात है कि यहां के निवासी गंदगी से अपनी जान गवां रहे हैं। राजेश कौशल जो अपने परिवार में अकेले कमाने वाले व्यक्ति थे। उनके परिजनों का हाल लेने कोई भी भाजपा नेता नहीं पहुंचा। अजय राय ने स्व. राजेश कौशल के घर के बाहर नाले की तस्वीरें भी दिखाई, जिनमें दूषित पानी बह रहा है। इसी नाले के पास से पीने के पानी की पाइप भी लोगों के घरों में जा रही हैं, जो कई जगहों से लीक हो गई हैं।

सरकार रोजगार देने में असफल

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार रोजगार देने में असफल है। खासतौर पर युवा बेरोजगार और निराश हैं। सरकार अपनी कमियों को छिपाने के लिए तथाकथित कुंभ रोजगार जैसे झूठे आयोजन कर रही है। जहां युवाओं को सिर्फ छला जा रहा है। अव्यवस्था और संवेदनहीनता से भरे इस कुंभ में बच्चों, युवाओं के बायोडाटा और डिग्री कूड़े के ढेर में मिल रही हैं। घोर अव्यवस्था का शिकार इस आयोजन में दूर-दूर से आए युवाओं को यह तक नहीं पता कि उनका क्या होगा?

युवाओं ने रोजगार मांगना छोड़ दिया

उन्होंने सेंटर फॉर मानीटरिंग ऑफ इंडियन इकोनॉमी की रिपोर्ट दिखाते हुए कहा कि इसके मुताबिक 20 से 24 वर्ष के युवाओं के बीच श्रम बल भागीदारी दर लगातार गिर रहा है। यह एक बहुत ही निराशाजनक ट्रेंड है। इसका मतलब यह है कि युवा इतने निराश हो गए हैं बेरोजगारी से कि अब उन्होंने रोजगार मांगना छोड़ दिया है।

मनीषा की मौत के मामले में गिरफ्तार लोग अपराधी नहीं: विनेश फोगाट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने कहा कि भिवानी में मनीषा की मौत के मामले में पुलिस ने 50 से ज्यादा लोगों और यू-ट्यूबर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने राज्य की संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया है। उन पर संगीन धाराएं लगा दी गई हैं। इससे उनका भविष्य खराब हो जाएगा। वे अपराधी नहीं हैं इसलिए उन्हें रिहा किया जाए।

इस दौरान उन्होंने पूरे प्रदेश में जलभराव की स्थिति का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि जलभराव से फसलें खराब हो रही हैं। सरकार जल्द से जल्द पानी की निकासी का प्रयास करे। वंही फतेहाबाद से कांग्रेस विधायक बलवान दौलतपुरिया ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम

(एचकेआरएन) के तहत लगे कर्मचारियों को हटाए जाने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हाल ही में पशुपालन विभाग से 450 कर्मचारी हटाए गए हैं। उन्हें वापस लिया जाए। उन्होंने योग प्रशिक्षकों को मात्र 8,000 रुपये वेतन मिलने को अनुचित बताया और उत्तर प्रदेश की तर्ज पर 32,000 रुपये मानदेय देने की मांग की। सोनीपत से भाजपा विधायक निखिल मदान ने स्पेशल पुलिस ऑफिसर को नौकरी सुरक्षा और जरूरी भत्ते दिए जाने की मांग रखी।

निषाद के बयान से भाजपा परेशान !

» मंत्री संजय निषाद ने बीजेपी को दी धमकी

» बोले निषाद पार्टी अध्यक्ष- गठबंधन तोड़ना है तो तोड़ दे भाजपा

» सपा ने भी किया भाजपा पर वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। यूपी चुनाव होने में लगभग दो साल है पर अभी से सियासी पारा चढ़ने लगा है। सबसे ज्यादा विपक्ष के तेवर उग्र हैं। राज्य की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी सपा भाजपा की योगी सरकार को हर मोड़ पर घेरने का मौका नहीं छोड़ती है।

ऐसा नही की विपक्ष ही भाजपा सरकार को परेशान कर रहा है उसके अपने सहयोगी भी उस पर समय-समय पर दबाव बनाते रहते हैं। योगी सरकार के मंत्री व निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने सरकार पर जोरदार हमला बोला है। योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद के तेवर को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। उधर इनसबके बीच सपा ने भी भाजपा पर तंज कसने शुरू कर दिए है।

इम्पोर्टेड नेताओं से चेताया

मंत्री ने भाजपा को नसीहत देते हुए कहा कि पार्टी को इम्पोर्टेड नेताओं से सावधान रहना चाहिए। सपा और बसपा से आए नेता सहयोगी दलों में घुसकर नुकसान पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोधाभास के बावजूद सहयोगी दलों के बीच सम्मान और शिष्टाचार कायम रहना जरूरी है। इससे उत्तर प्रदेश और देश की राजनीति में स्थिरता बनी रह सकती है।

31 अगस्त को दिखाएंगे ताकत

निषाद पार्टी ने प्रदेश में अपनी ताकत का प्रदर्शन करने जा रही है। संजय निषाद ने कहा कि अनुसूचित जाति में निषाद समाज को शामिल करने की मांग पर हम संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त को जनजाति दिवस मनाया जाएगा, समाज की एकजुटता दिखाई जाएगी। मंत्री ने साफ कहा कि 2024 में भले कुछ न मिला हो, लेकिन 2027 की तैयारी शुरू है।

अन्य सहयोगी भी रैली में हुए शामिल

बता दें यूपी में बीजेपी के सहयोगी और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने गोरखपुर में पत्रकारों से बात करते हुए बीजेपी से अपने सहयोगियों पर विश्वास और सम्मान बनाए रखने को कहा। जिसमें निषाद पार्टी, रालोद और सुभासपा जैसे सभी दल शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि वो भाजपा से पूछना चाहते हैं कि ये उनके सहयोगी दल सुभासपा, अपना दल, आरएलडी पर भाजपा को भरोसा होना चाहिए. उन्हें भरोसा नहीं है, तो कड़े फैसले ले लें. वे लोग समाज को सही दिशा में लेकर जा रहे हैं. इसका फायदा भाजपा को मिल रहा है।उन्होंने कहा कि 2018 में सपा-बसपा एक हो गई थी। फिर भी उन लोगों को कैसे एनडीए गठबंधन को ऐतिहासिक जीत दिया। जो कुछ चल रहा है, भाजपा को लगता है कि हम लोगों से फायदा नहीं मिल रहा है, तो गठबंधन तोड़ दें, बाहरी नेताओं से क्यों हम लोगों को उल्टा-सीधा बुलवाते हैं। 2024 के चुनाव में हमें कुछ नहीं मिला लेकिन, अब देखते हैं कि 2027 में क्या होता है। हमें भीख मांगने की ज़रूरत नहीं है. बीजेपी को सपा-बसपा से आए बाहरी नेताओं से सावधान रहना चाहिए वो एनडीए में शामिल होकर नुक़सान पहुंचा सकते हैं।

पिछड़ों के नाम पर राजनीति करने वाले दल एनडीए से दूर हो जाएंगे : चांद

समाजवादी पार्टी ने कहा कि जल्द ही पिछड़ों के नाम पर राजनीति करने वाले दल एनडीए से दूर हो जाएंगे। समाजवादी पार्टी के प्रवक्त फखरुल हसन चांद ने संजय निषाद के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा-उत्तर प्रदेश के विधानसभा के चुनाव मे लगभग एक साल और मुश्किल से 4 या 5 महीने बाकी है। दिसंबर 2026 मे आचार संहिता लग जायेंगी। उससे पहले भाजपा के सहयोगी दल और राजभर निषाद के बोल बागी होते जा रहे है। जो-जो चुनाव करीब आएगा वो सभी दल जो पिछड़ी जातियों के नाम पर राजनीति करते हैं पिछड़ों के आरक्षण का हक खाने वालों से दूर हो जाएंगे। ये पीड़ीए की ताकत है।

भाजपा के ही कुछ नेता उनके खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं : निषाद

गोरखपुर में भाजपा नेतृत्व को खुली धमकी देते हुए उन्होंने कहा कि अगर भाजपा को लगता है कि निषाद पार्टी से उसे कोई फायदा नहीं है तो गठबंधन तोड़ दे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के छुटभैया नेता लगातार सहयोगी दलों के खिलाफ बयानबाजी कर माहौल खराब कर रहे हैं। संजय निषाद ने कहा कि जैसे भाजपा को ओमप्रकाश राजभर से राजभर समाज का वोट और रालोद से जाट समाज का वोट मिला। वैसे ही निषाद समाज का वोट उन्होंने भाजपा को दिलाया है। बावजूद इसके भाजपा के ही कुछ नेता उनके खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने नाम लेकर कहा कि जयप्रकाश निषाद, पीयूष रंजन निषाद और राज्यमंत्री रामकेष निषाद उनके खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं।

बिहार में एडीए सरकार पर आक्रोश का वार

पुलिस व सरकारी कर्मियों पर लोगों का हमला

» नीतीश के काम-काज से लोग नाराज!

» अब तो ग्रामीणों ने मंत्री तक को नहीं बख्शा

» ग्रामीण विकास मंत्री को ग्रामीणों ने खदेड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नालंदा। बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव हैं। वहां पर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। जहां इंडिया गठबंधन वोट अधिकार यात्रा के जरिये भाजपा को घेर रहा है वहीं वह जनता के बीच भी पैठ बना रहा है। इस यात्रा में विपक्ष के दिग्गज नेता शामिल हो रहे हैं वहीं एनडीए सरकार के खिलाफ लोगों में गुस्सा दिखाई दी रही है।

जहां सरकारी अधिकारी व पुलिस कर्मी जनता आक्रोश का निशाना बन रह है वहीं बिहार के मंत्री व विधायक भी शिकार बन रहे हैं। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार पर नालंदा में हमला हो गया। ग्रामीणों ने मंत्री श्रवण कुमार पर हमला कर दिया। मंत्री और उनके साथ के लोग जान बचाने के लिए भाग खड़े हुए।

बिहार के नालंदा जिले में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधानसभा के विधायक कृष्ण मुरारी उर्मी प्रेम मुखिया पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों के हमले में एक बॉडीगार्ड घायल हो गया। दरअसल, मंत्री श्रवण कुमार और विधायक कृष्ण मुरारी, शाहजहांपुर थाना क्षेत्र में हुए दर्दनाक हादसे के पीड़ित परिवारों से मिलने गए थे। इस हादसे में 9 लोगों की जान चली गई थी। वे आज सुबह हिलसा के मलावां गांव पहुंचे थे। तभी नाराज ग्रामीणों ने उन पर हमला कर दिया। ग्रामीणों के गुस्से को देखते हुए, मंत्री और विधायक को वहां से जान बचाकर भागना पड़ा।

विधानसभा और मंत्री पद का अनुभव

श्रवण कुमार बिहार विधानसभा में जेडीयू के मुख्य सचेतक भी रह चुके हैं। नीतीश कुमार और जीतन राम मांझी की कैबिनेट में वे मंत्री रह चुके हैं। वर्तमान में वे ग्रामीण विकास कार्य मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

नीतीश के भरोसेमंद सिपाही हैं श्रवण कुमार

बिहार सरकार में ग्रामीण विकास कार्य मंत्री श्रवण कुमार न केवल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सजातीय (कुर्मी) हैं बल्कि उनके सबसे भरोसेमंद नेताओं में गिने जाते हैं। सीएम के गृह जिले नालंदा से ताल्लुक रखने वाले श्रवण कुमार सात बार से लगातार विधायक हैं।

जेपी मूवमेंट के दौरान राजनीति से जुड़े श्रवण कुमार

68 वर्षीय श्रवण कुमार ने छात्र जीवन में ही राजनीति की ओर कदम बढ़ाया। जेपी मूवमेंट से राजनीति से जुड़े और फिर 1994 में समता पार्टी की स्थापना के समय से ही नीतीश कुमार के साथ खड़े रहे। 1995 में समता पार्टी के टिकट पर नालंदा से विधायक बने और तब से लेकर आज तक हुए हर विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की।

समता पार्टी के टिकट पर पहली बार विधानसभा पहुंचे थे श्रवण

श्रवण कुमार ने इंटर तक पढ़ाई की है। समाज सेवा से जुड़े रहते हुए वे राजनीति में सक्रिय हुए। 1995 में समता पार्टी के टिकट पर पहली बार विधानसभा पहुंचे। उस समय समता पार्टी के सिर्फ सात उम्मीदवार जीत पाए थे, जिनमें श्रवण कुमार भी शामिल थे।

जेडीयू के साथ लंबा राजनीतिक सफर

2000 में भी वे समता पार्टी के टिकट पर जीते। बाद में पार्टी का विलय जेडीयू में हो गया। तब से वे लगातार जेडीयू प्रत्याशी के रूप में नालंदा से चुनाव जीतते आ रहे हैं। उनके राजनीतिक करियर को तीन दशकों से ज्यादा का समय हो चुका है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

दहेज की कुरीति को जड़ से मिटाने की जरूरत

दहेज जैसी कुरीति को खत्म करने के लिए और कदम उठाए जा सकते हैं। एक ऐसा नियम होना चाहिए कि शादी से पहले दहेज नहीं लेने का शपथ पत्र मय हस्ताक्षर लिया जाए। दो से तीन बार प्रताड़ित करने पर पुलिस थाने में सूचना की जाए। दहेज प्रथा हमारे समाज की एक गहरी कुरीति है, जो स्त्री की गरिमा और उसके परिवार की इज्जत को ठेस पहुंचाती है।

आज के समय में जब हम चांद व अंतरिक्ष पर पहुंच रहे हैं और सबको एक समान मानने की बात करते हैं उस समय दहेज की कुरीति की वजह से किसी की बेटी को जान से मार देने वाली खबरें इंसानियक को तो शर्मसार करती ही हैं साथ वह समाज के नजरिये पर भी सवाल उठाती हैं। हालांकि इस कुरीति पर लगाम लगाने के लिए सख्त कानून है फिर भी लोगों में डर नहीं आता है और ऐसे कृत्य कर बैठते जिससे समाज कलंकित हो जाता है। दहेज जैसी कुरीति को खत्म करने के लिए और कदम उठाए जा सकते हैं। एक ऐसा नियम होना चाहिए कि शादी से पहले दहेज नहीं लेने का शपथ पत्र मय हस्ताक्षर लिया जाए। दो से तीन बार प्रताड़ित करने पर पुलिस थाने में सूचना की जाए। दहेज प्रथा हमारे समाज की एक गहरी कुरीति है, जो स्त्री की गरिमा और उसके परिवार की इज्जत को ठेस पहुंचाती है। शादी एक पवित्र संस्कार है, लेकिन दहेज की मांग इसे व्यापार बना देती है। इस प्रथा को समाप्त करने के लिए समाज को जागरूक करना होगा।

लड़की के माता-पिता को भी दृढ़ता से निर्णय लेना होगा कि वे अपनी बेटी की शादी ऐसे घर में नहीं करेंगे जहां दहेज की मांग हो। आपको बता दे ग्रेटर नोएडा के दादरी के रूपवास गांव की निक्की की 27 दिसंबर, 2016 में सिरसा गांव के विपिन से शादी हुई थी। निक्की की बड़ी बहन कंचन की शादी विपिन के भाई से हुई है। पिता भिकारी सिंह का आरोप है कि ससुराल वाले 35 लाख रुपये दहेज की मांग को लेकर निक्की को परेशान करते थे। बृहस्पतिवार शाम विपिन ने मां दया के साथ मिलकर निक्की को जिंदा जला दिया था। दहेज प्रथा की रोकथाम के लिए बनाए गए कानूनों की कड़ाई से पालना करवानी चाहिए। इसके लिए दहेज देने वाले एवं लेने वाले दोनों समान रूप से जिम्मेदार ठहराए जाने चाहिए। दहेज की मांग करने वालों की सूचना जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रशासन को देनी चाहिए। समस्त राजकीय कर्मचारियों को दहेज प्रकरणों को उजागर करने के लिए पाबंद करना चाहिए। समाज में बिना दहेज के शादी करने वालों को सामाजिक मंचों पर सम्मान देना भी इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। दहेज को प्रतिष्ठा का मापक मानने वालों को महत्त्व नहीं देना चाहिए। दहेज जैसी कुरीति का इतना फैलाव होने का कारण इसकी सामाजिक स्वीकार्यता का होना है। अत: इसे खत्म करने के लिए सामाजिक स्तर पर दहेज के लेन-देन नहीं करने के दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। दहेज उन्मूलन कानून तो पहले से ही बना हुआ है, लेकिन यह केवल कागजों पर सीमित है। इसके लिए दोनों पक्ष जिम्मेदार हैं। दहेज उन्मूलन के लिए धरातल पर कार्य करने की आवश्यकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भ्रष्ट राजनीति के खिलाफ जन आंदोलन जरूरी

विश्वनाथ सचदेव

लब्धप्रतिष्ठ रूसी साहित्यकार सोलजेनित्सिन ने कहीं लिखा था, 'हम जानते हैं कि वे झूठ बोल रहे हैं, वे जानते हैं कि हम जानते हैं कि वे झूठ बोल रहे हैं... लेकिन वे फिर भी झूठ बोलते रहते हैं'- इस वाक्य में 'वे' की जगह हमारे राजनेता लिख दिया जाये और 'हम' की जगह भारत की जनता तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आये दिन हम अपने नेताओं के झूठ सुनते रहते हैं और ऐसा हर झूठ बोलकर हमारे नेता यह समझते हैं कि उन्होंने हमें यानी देश के मतदाताओं को मूर्ख बना लिया है। इसका ताजा उदाहरण है संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन सदन के पटल पर रखा गया संविधान संशोधन विधेयक। तीखी बहस और हंगामे के बीच यह विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जा चुका है।

समिति कब और क्या सिफारिश देगी यह तो भविष्य के गर्भ में है, पर सिफारिश कुछ भी हो, संसद में वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह तय है कि बिना दो तिहाई बहुमत के ऐसा कोई संशोधन लागू नहीं हो सकता। तो फिर यह विधेयक सदन में क्यों रखा गया है? इसका एक स्पष्ट उत्तर तो यही है कि देश में निकट भविष्य में होने वाले चुनावों को देखते हुए सत्तारूढ़ पक्ष महत्वपूर्ण, और उसके लिए परेशान करने वाले, मुद्दों से मतदाता का ध्यान बंटा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं की प्रस्तावित संशोधन आकर्षक भी है और महत्वपूर्ण भी। इसके अनुसार केंद्र में प्रधानमंत्री और मंत्रियों समेत राज्यों के मुख्यमंत्रियों-मंत्रियों को यदि किसी ऐसे आरोप में तीस दिन से अधिक समय तक जेल में रहना पड़ता है तो उन्हें पद से त्यागपत्र देना होगा, अन्यथा उन्हें पद से हटा दिया जायेगा। आकर्षक लगता है यह प्रस्ताव। एक हद तक जरूरी भी। कौन नहीं स्वीकारेगा कि भ्रष्टाचारियों को मंत्री-पद पर बने रहने का अधिकार नहीं होना चाहिए। और यह भी एक हकीकत है कि हमारे देश में ऐसे राजनेताओं की कोई कमी नहीं है जिन पर भ्रष्टाचार और अन्य आपराधिक मामलों के आरोप हैं। ऐसे में, संविधान में संशोधन का जो विधेयक सरकार ने पटल पर रखा है उसका स्वागत होना चाहिए।

लेकिन सवाल उठता है कि आरोप लगना मात्र ही किसी को कथित अपराध की सजा देने का आधार कैसे बन सकता है? कोई भी आरोपी तब तक सजा का पात्र नहीं होता जब तक अपराध प्रमाणित नहीं हो जाता, आरोप भले ही कितना ही गंभीर क्यों न हो, जब तक प्रमाणित नहीं हो जाता, अपराध नहीं

कहलाता। तो फिर सजा कैसे दी जा सकती है? लेकिन यहीं यह सवाल भी उठता है यदि आरोपों के आधार पर सजा नहीं दी जा सकती तो क्या मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को यह अवसर और अधिकार मिलना चाहिए कि वे जेल में बैठकर भी सरकार चलाते रहें? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का उदाहरण हमारे सामने है, महीनों तक वे जेल में रहे- और जेल से ही सरकार चलाने की बातें भी कहते रहे! तो फिर क्या किया जाये? जितना आसान लगता है यह प्रश्न, उत्तर उतना ही कठिन लगता है। प्रस्ताव में स्पष्ट कहा गया है कि यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई भी मंत्री किसी ऐसे आपराधिक मामले में गिरफ्तार होकर लगातार तीस दिन तक हिरासत में रहता है, जिसके लिए पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है, तो वह पद पर नहीं बना रह सकता। लेकिन तब क्या होगा यदि न्यायालय उसे निरपराध घोषित कर देता है? विधेयक के समर्थक उत्तर में पुनर्नियुक्ति का प्रावधान होने का तर्क रखते हैं! वे कहते हैं विधेयक शासन को संदेह से मुक्त रखने की प्रारंभिक प्राथमिकता ही तय करता है। लेकिन इस सवाल का क्या जवाब है कि इकत्तीसवें दिन स्वत: ही सजा मिल जाने को कानून का शासन कैसे कहा जा सकता है? यह सब देखते हुए ही इस तरह का संशय किया जा रहा है कि यह कार्रवाई गंभीर मुद्दों से ध्यान बांटने और चुनावी हितों को ध्यान में रख कर की गयी है। बहरहाल, मामला गंभीर है। भ्रष्ट राजनीति और भ्रष्ट राजनेताओं से मुक्ति का कोई उपाय तो खोजना ही होगा। हमारे यहां राजनीति का जो अपराधीकरण हुआ है उसे अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। एक जमाने में राजनेता आपराधिक वर्गों का सहयोग लिया करते थे, अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए। फिर सहयोग देने वालों को लगा, वे किसी को चुनाव जीतने में मदद कर सकते हैं तो स्वयं राजनीति में क्यों नहीं उतर सकते? इस सोच का नतीजा सामने है।

चुनाव अधिकार संस्था की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश के तीस मुख्यमंत्रियों में से 40 प्रतिशत ने पिछले चुनाव नामांकन- पत्र में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर सर्वाधिक 89 आपराधिक मामले दर्ज हैं। आंध्र-प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू 19 मामलों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैय्या पर 13 मामले चल रहे हैं।

सुविधा के साथ अधिकारियों की सख्ती भी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 25 अगस्त को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के विधायी सदस्य आरएन परबत ने कहा कि नए इनकम टैक्स कानून को लागू करने के मद्देनजर दिसंबर, 2025 के अंत तक नए नियमों के अनुरूप नए टैक्स फॉर्म सहित संपूर्ण तैयारी पूरी कर ली जाएगी। उल्लेखनीय है कि 21 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में पारित इनकम टैक्स बिल 2025 को मंजूरी दिए जाने के बाद यह कानून के रूप में अधिसूचित कर दिया गया है। नया इनकम टैक्स कानून 1 अप्रैल, 2026 से मौजूदा इनकम टैक्स कानून 1961 की जगह लागू होगा। वस्तुत: नया इनकम टैक्स कानून महज कुछ धाराओं का बदलाव नहीं, बल्कि पूरी टैक्स व्यवस्था का कायापलट है। इससे देश में टैक्स सिस्टम के डिजिटल और सरल युग का नया दौर शुरू होने जा रहा है। इससे नए करदाता अपनी आमदनी के मुताबिक इनकम टैक्स देने के लिए बाध्य होंगे और नए कानून से देश की आर्थिक रफ्तार भी बढ़ेगी।

खास बात यह भी है कि अभी मौजूदा इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि नया इनकम टैक्स कानून नई जरूरतों के मद्देनजर तैयार हुआ है। वर्ष 1961 में मौजूदा आयकर कानून लागू किए जाने के बाद से अब तक आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं। स्थिति यह है कि 1961 के इनकम टैक्स कानून में वर्ष 2024 तक 4,000 से ज्यादा संशोधन व सुधार हुए हैं। ऐसे जटिल हो चुके इनकम टैक्स कानून को सरल और व्यावहारिक बनाने के लिए नया इनकम टैक्स कानून 2025 एक सराहनीय कदम है। नि:संदेह, नया इनकम टैक्स कानून पुराने कानून को लगभग 50 प्रतिशत तक सरल बनाता है। नया इनकम टैक्स कानून भाषा को आसान बनाने के साथ ही कटौतियों को स्पष्ट करता है और विभिन्न प्रावधानों के बीच क्रॉस रेफरेंसिंग को मजबूत करता है। नया कानून गृह संपत्ति से होने वाली आय, जिसमें मानक कटौती और गृह ऋण पर निर्माण-पूर्व ब्याज शामिल है, से जुड़ी अस्पष्टताओं को दूर करता है। नए कानून के माध्यम से टैक्स कानून को सरल बनाते हुए उसके पेजों की संख्या को आधा कर दिया गया है और अप्रासंगिक हो चुके प्रविधानों को हटा दिया गया है।

अभी इनकम टैक्स रिटर्न भरने के दौरान मूल्यांकन वर्ष और वित्त वर्ष का उल्लेख करना होता था, लेकिन नए कानून में केवल टैक्स ईयर का उल्लेख करना होगा। साथ ही जिस वित्त वर्ष का टैक्स भरा जाएगा उसे ही टैक्स ईयर कहा जाएगा। नए इनकम टैक्स कानून में वेतनभोगियों के लिए लाभप्रद प्रावधान हैं। बिना किसी कर देनदारी के शून्य टीडीएस सर्टिफिकेट की सुविधा मिलेगी। निजी पेंशन योजनाओं में एकमुश्त निकासी पर कर छूट मिलेगी। सरकार की यूपीएस पेंशन के तहत भी कर छूट के लाभ मिलेंगे। टीडीएस दावों में सुधार के विवरण दाखिल करने की समय सीमा घटाई गई है। नए इनकम टैक्स कानून के तहत छोटे करदाताओं को कुछ विशेष सुविधाएं दी गई हैं। नए टैक्स कानून में एमएसएमई की नई परिभाषा को टैक्स प्रविधान से जोड़ दिया गया है। अस्थायी रूप से खाली पड़ी इमारत या घरों पर नोशनल रेट टैक्स नहीं लगेगा।

व्यावसायिक प्रापर्टी को इस तरह परिभाषित किया गया है कि अगर उनका अस्थाई रूप से इस्तेमाल न हो तो उन पर हाउस प्रापर्टी की तरह टैक्स नहीं लिया जाएगा। व्यवसायी, कारोबारी और कंपनियों द्वारा गैर-लाभकारी संगठनों व धार्मिक ट्रस्टों को दिए जाने वाले गुमनाम दान पर टैक्स छूट जारी रहेगी। नए कानून में टैक्स अधिकारियों को सशक्त बनाया गया है। नए इनकम टैक्स कानून में गलत या अधूरी जानकारी देने पर भारी जुर्माना सुनिश्चित किया गया है। बकाया टैक्स का भुगतान न करने पर अधिक ब्याज और पेनल्टी है। आय छिपाने पर अकाउंट सीज और संपत्ति जब्त करने के अधिकार होंगे। यदि किसी खर्च का विवरण आईटीआर में नहीं है और उस खर्च के बारे में विभाग को संतोषप्रद जवाब नहीं दिया जाता है तो उसे भी आय मान लिया जाएगा। टैक्स अधिकारी एकाउंट बुक को जांच के लिए 15 दिनों तक रख सकते हैं। नए कानून में प्रविधान के मुताबिक सर्च के दौरान सभी डिजिटल डॉक्यूमेंट्स जैसे कि फोन, लैपटॉप, ईमेल या अन्य डिजिटल उपकरण को टैक्स अधिकारी अपने कब्जे में ले सकता है। देश में विगत एक दशक में इनकम टैक्स पैयर्स और इनकम टैक्स संग्रहण में आशातीत इजाफा हुआ है, उसे अब और बढ़ाया जा सकेगा।

चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 1 अप्रैल से 11 अगस्त के बीच शुद्ध प्रत्यक्षकर संग्रह 6.64 लाख करोड़ रुपये रहा है और सम्पूर्ण वर्ष में यह पिछले वर्ष के संग्रहण से अधिक होगा, लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इनकम टैक्स का योगदान बहुत कम बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में टैक्स से जीडीपी अनुपात 11.7 फीसदी रहा है। वस्तुत: कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ती है। सरकार की मुट्ठियों में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करता है बल्कि यह सरकार को अपने करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। साथ ही यह वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना और बजट बनाने में मदद करता है। उम्मीद करें कि एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाला नया इनकम टैक्स कानून 2025 आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने, टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपयोगिता देगा।

चीज कॉर्न पराठा

कुछ हैवी बनाने का प्लान कर रहे हैं तो चीन कॉर्न पराठे से बेहतर कुछ हो नहीं सकता। पराठा भारतीयों का पसंदीदा नाश्ता होता है। इसे बनाने के लिए आपको उबले स्वीट कॉर्न, चीज, हरा धनिया, मसाले, गेहूं का आटा की जरूरत पड़ेगी। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले कॉर्न और चीज की स्टफिंग तैयार करें। इसके बाद इसे आटे की लोई में भरकर पराठा तैयार करें। अब इसे देसी घी के साथ सुनहरा होने तक सेकें। अच्छी तरह से सेकने के बाद इसे दही और अचार के साथ परोसें और घर वालों का दिल जीतें।

सुबह नाश्ते में बनाएं ये ब्रेकफास्ट

सुबह के नाश्ते में क्या बनाएं? ये सवाल घर के हर एक सदस्य से पूछा जाता है। खाना एक ऐसी चीज है, जिसके बिना इंसान जिंदा नहीं रह सकता, या यूं कह सकते हैं कि हम पैसा भी अच्छा खाने और अच्छे से रहने के लिए ही कमाते हैं। शरीर स्वस्थ रहेगा तो आपका दिन भी अच्छा जाएगा, हेल्थ इस बात पर निर्भर होती है कि आप अपने खाने में क्या खा रहे हैं। सुबह यानी ब्रेकफास्ट में खाया जाने वाला खाना आपको पूरे दिन के लिए ऊर्जा देता है। इसलिए रविवार जो छुट्टी का दिन होता है। इस दिन ऑफिसों से लेकर स्कूलों और कोचिंग की भी छुट्टी होती है। जब छुट्टी होती है तो सभी लोग घर पर हैं तो कुछ खास नाश्ता तैयार करना तो बनता है। वहीं संडे के दिन लोग देर से सोकर उठते हैं, ऐसे में नाश्ते के कुछ आसान विकल्प हैं, जो बनाने में भी काफी आसान है, और जिन्हें खाकर सभी का दिल एकदम से खुश हो जाएगा।

सभी घर वालों को आएगा पसंद

ब्रेड रोल

बाजार से जब हम ब्रेड रोल खरीदकर खाते हैं तो ये काफी क्रिस्पी और टेस्टी होता है लेकिन जब हम इसे घर पर बनाते है तो क्रिस्पी नहीं होते जितना कि होना चाहिए था। इसलिए एकदम कुरकुरे ब्रेड रोल हर किसी को खाने में पसंद आएंगे। इसे बनाने के लिए सबसे पहले उबले हुए आलूओं से स्टफिंग तैयार करनी है। इसके लिए आलूओं को अच्छी तरह से मैश करके उसमें मसाले मिक्स करने हैं। चाहें तो आलूओं को मसाले के साथ फ्राई कर सकते हैं, वरना आप इससे भरता भी तैयार कर सकते हैं। अब हल्का गीले ब्रेड स्लाइस में इसे भर इसे रोल का आकार दें। इसे अच्छी तरह से पैक करें, ताकि ये खुल न जाए। आखिर में इसे या तो डीप फ्राई करें, या फिर आप इसे बेक भी कर सकते हैं। इसे यदि आप तीखी या अमली की चटनी के साथ परोसेंगे तो इसका स्वाद बढ़ जाएगा।

सूजी उपमा

यदि आप कुछ हेल्दी बनाने का प्लान कर रहे हैं तो सूजी का उपमा एक बेहतर विकल्प है। सूजी का उपमा काफी हेल्दी होता है, जो आसानी से पच जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर यह नाश्ते के लिए काफी बेहतर होता है। इसको खाने के बाद पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इसके इस्तेमाल के लिए सूजी, राई, करी पत्ता, प्याज, हरी मटर, गाजर की जरूरत आपको पड़ेगी। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले कढ़ाई में राई और करी पत्ते का तड़का लगाएं। इसके बाद पैन में सब्जियां भूनें, फिर भुनी हुई सूजी डालें। अब सूजी में पानी मिलाकर गाढ़ा होने तक पकाएं। जब ये पूरी तरह से सूख जाएं कि इसे अचार या फिर नारियल की चटनी के साथ परोसें। ये हल्का भी रहेगा और स्वादिष्ट भी।

हंसना मना है

साइंस की टीचर क्लास में पढ़ा रही थी, टीचर ने पप्पू से कहा- तू बता जिन्दा रहने के लिए क्या-क्या चीजें जरुरी हैं, पप्पू - नहीं पता, मैडम, टीचर-अरे जो आता है वही बता, पप्पू- जिन्दा रहने के लिए तेरी कसम, एक मुलाकात जरुरी है सनम, दे थप्पड़ दे थप्पड़।

टीचर- तुम परिंदो के बारे में सब जानते हो, संजू- हां, टीचर- अच्छा ये बताओ कौन सा परिंदा उड़ नहीं सकता, संजू- मरा हुआ परिंदा, भाग पागल कहीं का।

टीचर- मैं सुंदर थी, सुंदर हूं, सुंदर रहूंगी। इसी तरह तीनों काल का उदाहरण दो। हरयाणवी छात्र- तन्नै वहम था, तन्नै वहम है, तन्नै वहम रवैगा। टीचर- नालायक, तमीज से बताओ। छात्र- आदरणीय मैडम जी आप भूंडी थी, भूंडी हैं, भूंडी रहेंगी।

टीचर क्लास में- दिल्ली में कुतुब मीनार है.. पप्पू क्लास में सो रहा था.. टीचर ने उसे जगाया और पूछा-बता मैंने अभी क्या बोला.. पप्पू- दिल्ली में कुत्ता बीमार है।

रिश्ते वाले- जी लड़की ने क्या किया हुआ है? घरवाले- जी इसने नाक में दम किया हुआ है, आप इसे ले जाएं बस।

कहानी | शत्रु को मित्र कैसे बनाएं?

एक राजा ने एक सपना देखा। सपने में उससे एक परोपकारी साधु कह रहा था कि बेटा! कल रात को तुम्हें एक विषैला सांप काटेगा और उसके काटने से तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी। वह सर्प अमुक पेड़ की जड़ में रहता है। वह तुसम पूर्व जन्म की शत्रुता का बदला लेना चाहता है। सुबह राजा ने सोचा अपनी आत्मरक्षा के लिए क्या उपाय करना चाहिए? सोचते- सोचते राजा इस निर्णय पर पहुंचा कि मधुर व्यवहार से बढ़कर शत्रु को जीतने वाला और कोई हथियार इस पृथ्वी पर नहीं है। उसने सर्प के साथ मधुर व्यवहार करके उसका मन बदल देने का निश्चय किया। शाम होते ही राजा ने उस पेड़ की जड़ से लेकर अपनी शय्या तक फूलों का बिछौना बिछवा दिया, सुगन्धित जलों का छिड़काव करवाया, मीठे दूध के कटोरे जगह-जगह रखवा दिये और सेवकों से कह दिया कि रात को जब सर्प निकले तो कोई उसे किसी प्रकार कष्ट पहुंचाने की कोशिश न करें। रात को सांप अपनी बांबी में से बाहर निकला और राजा के महल की तरफ चल दिया। वह जैसे आगे बढ़ता गया, अपने लिए की गई स्वागत व्यवस्था को देखकर आनन्दित होता गया। कोमल बिछौने पर लेटता हुआ मनभावनी सुगन्ध का रसास्वादन करता हुआ, जगह-जगह पर मीठा दूध पीता हुआ आगे बढ़ता गया। इस तरह क्रोध के स्थान पर सन्तोष और प्रसन्नता के भाव उसमें बढ़ने लगे। वैसे ही वैसे उसका क्रोध कम होता गया। राजमहल में जब वह प्रवेश करने लगा तो देखा कि प्रहरी और द्वारपाल सशस्त्र खड़े हैं, परन्तु उसे जरा भी हानि पहुंचाने की चेष्टा नहीं करते। यह असाधारण सी लगने वाले दृश्य देखकर सांप के मन में स्नेह उमड़ आया। सद्व्यवहार, नम्रता, मधुरता के जादू ने उसे मंत्रमुग्ध कर लिया था। कहां वह राजा को काटने चला था, परन्तु अब उसके लिए अपना कार्य असंभव हो गया। हानि पहुंचाने के लिए आने वाले शत्रु के साथ जिसका ऐसा मधुर व्यवहार है, उस धर्मात्मा राजा को काटूं तो किस प्रकार काटूं? यह प्रश्न के चलते वह दुविधा में पढ़ गया। राजा के पलंग तक जाने तक सांप का निश्चय पूरी तरह से बदल दिया। सांप राजा के शयन कक्ष में पहुंचा। राजा से कहा, मैं तुम्हें काटकर अपने पूर्व जन्म का बदला चुकाने आया था, परन्तु तुम्हारे सौजन्य और सद्व्यवहार ने मुझे परास्त कर दिया। अब मैं तुम्हारा शत्रु नहीं मित्र हूं। मित्रता के उपहार स्वरूप अपनी बहुमूल्य मणि मैं तुम्हें दे रहा हूं। लो इसे अपने पास रखो। इतना कहकर सांप चला गया।

शिक्षा- यदि एक व्यक्ति का व्यवहार कुशल है तो वो सब कुछ पा सकता है जो पाने की वो हार्दिक इच्छा रखता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृषभ आय में निश्चितता रहेगी। समय शीघ्र सुधरेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। धनहानि की आशंका है।

मिथुन यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी दूसरे व्यक्ति के काम में हस्तक्षेप न करें। विवाद होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

कर्क भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

सिंह नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कन्या कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। बेकार बातों पर बिलकुल ध्यान न दें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता रहेगी, लाभ लें। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके कार्यों में गति आएगी। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है।

धनु कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा। पार्टनरों तथा भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। विवेक का प्रयोग करें।

मकर आय बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मीन आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। चारों तरफ से सफलता मिलेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। उत्साह बना रहेगा। चिंता तथा तनाव कम होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

'नो एंट्री' के सेट पर सलमान खान से लगता था डर : लारा

नो एंट्री को रिलीज हुए 20 साल हो चुके हैं। साल 2005 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की थी। इसमें सलमान खान, अनिल कपूर, फरदीन खान, बिपाशा बसु, लारा दत्ता, ईशा देओल, सेलिना जेटली और बोमन ईरानी समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में थे। नो एंट्री के 20 साल पूरे होने के मौके पर फिल्म की एक्ट्रेस लारा दत्ता ने खास पोस्ट लिखा है। इसमें उन्होंने खुलासा किया है कि सेट पर उन्हें सलमान खान से काफी डर लगता था। साथ ही फिल्म में बिपाशा वाले रोल के लिए पहले उन्हें सिलेक्ट किया गया था। लारा दत्ता ने नो एंट्री की एक फोटो शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा- नो एंट्री के 20 साल पूरे हो गए। समय कितनी तेजी से गुजरता है। ये फिल्म हमेशा मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक रहेगी। कॉमेडी में मेरा पहला कदम, मुझे वो रोल मिला था, जो बाद में बिपाशा ने निभाया था। मुझे याद है कि मैंने अनीस बज्मी से कहा था कि काजल का किरदार मेरे अब तक के सबसे अलग किरदारों में से एक है। मुझे एक बेहद शक्की, बड़बोली, पंजाबी पत्नी का किरदार निभाने के लिए खुद को कड़ी चुनौती देनी होगी। हैरानी की बात है कि मैंने उस किरदार को पूरी तरह से अपनाया और उसे निभाते हुए मुझे बहुत मजा आया। सलमान खान को लेकर लारा दत्ता ने लिखा- मैंने अभी तक सलमान खान के साथ पार्टनर नहीं की थी, इसलिए उनका सेट पर होना थोड़ा डराने वाला था। ऐसा लग रहा था जैसे सुपरस्टार आ ही गया हो! लेकिन वो बहुत ही शांत, मज़ेदार और आकर्षक थे। फरदीन खान कॉमेडी के मामले में एक नया आयाम थे और ये देखना अद्भुत था कि उनके लिए ये कितना कंफर्टेबल था। लारा ने आगे को-एक्ट्रेसेस को लेकर लिखा- सेलिना जेटली, ईशा देओल और मेरे बीच एक ऐसा रिश्ता बना जो कलीग्स से आगे बढ़कर फिल्म इंडस्ट्री में एक बेहद खास, रेयर दोस्ती बन गया। बिपाशा बसु बेहद खूबसूरत थीं और उन्होंने सेक्स अपील और कॉमिक टाइमिंग का बेहतरीन मेल किया था।

सनी देओल की 'बाप' में हुई उर्वसी की एंट्री

अब सनी देओल की बारी है। एक्शन किंग ने कुछ वक्त पहले ही 'बॉर्डर 2' का काम खत्म किया है। अब उन्हें रणबीर कपूर की 'रामायण' के लिए भी काम करना है। उससे पहले उनके खाते में कई बड़ी फिल्में भी हैं। इसी बीच उनकी मच अवेटेड फिल्म Baap पर बड़ा अपडेट सामने आ गया है। यूं तो इस फिल्म का काफी वक्त पहले काम कंप्लीट हो चुका है। साथ ही विलेन बने एक्टर ने भी कहा था कि इस साल फिल्म रिलीज हो सकती है। अब एक और जानकारी सामने आई है। जो न ही सनी देओल, संजय दत्त और जैकी श्रॉफ को लेकर है, न ही मिथुन चक्रवर्ती पर। बल्कि एक फ्लॉप एक्ट्रेस की फिल्म में एंट्री हुई है।

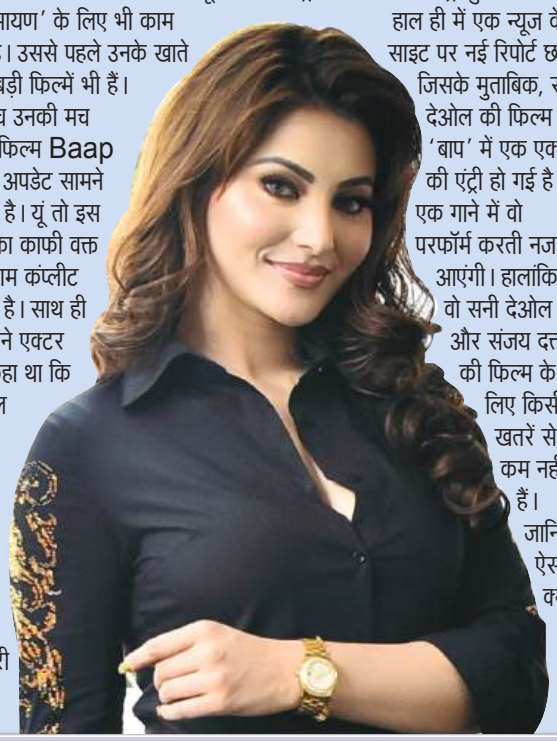

हाल ही में एक न्यूज वेब साइट पर नई रिपोर्ट छपी। जिसके मुताबिक, सनी देओल की फिल्म 'बाप' में एक एक्ट्रेस की एंट्री हो गई है। एक गाने में वो परफॉर्म करती नजर आएंगी। हालांकि, वो सनी देओल और संजय दत्त की फिल्म के लिए किसी खतरें से कम नहीं हैं। जानिए ऐसा क्यों कहा जा रहा है?

दरअसल सनी देओल की फिल्म लंबे वक्त से अटकी हुई है। फिल्म पर कोई अपडेट सनी देओल या फिर मेकर्स की तरफ से शेयर नहीं किया गया। पर सोशल मीडिया के जरिए जानकारी सामने आती रहती है। लेकिन नई रिपोर्ट से पता लगा कि अहमद खान ने फिल्म में स्पेशल नंबर के लिए उर्वशी रौतेला को चुना है। यह पॉपुलर गाने अप्सरा आली का रीमेक होगा। कहा जा रहा है कि उर्वशी रौतेला फिल्म का शूट पहले ही कर चुकी हैं। 3 दिन में गाने का शूट भी कंप्लीट कर लिया गया है।

वो फिल्म में सनी देओल के अलावा संजय दत्त, जैकी श्रॉफ और मिथुन चक्रवर्ती के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म हॉलीवुड की 'एक्सपेंडेबल्स' का बॉलीवुड रीमेक है। जिस गाने का फिल्म में रीमेक होगा, वो 'नटरंग' का 'अप्सरा आली' गाना है। यह एक मराठी सॉन्ग है। हाल ही में उर्वशी रौतेला को सनी देओल की फिल्म जाट में भी देखा गया था। जिसमें भी उनका 'सॉरी बोल' नाम का स्पेशल गाना था।

दरअसल सनी देओल और उर्वशी रौतेला एक ही फिल्म में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म 'सिंह साब द ग्रेट' में उर्वशी उनकी पत्नी के रोल में थीं।

कुली का फीका पड़ा जादू, 13वें दिन तक हुआ 262.47 करोड़ रुपये का कलेक्शन

बॉलीवुड | गपशप

साउथ फिल्मों में रजनीकांत बस एक अभिनेता नहीं हैं, वह एक जादू हैं, जो 74 साल के होने के बावजूद भी एक्शन से भरी फिल्में कर रहे हैं। हाल ही में उनकी एक फिल्म 'कुली' रिलीज हुई, यह फिल्म अब तक 250 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। जानिए, आज यानी 13वें दिन इसने कितना कलेक्शन किया है।

अब तक प्राप्त शुरुआती आंकड़ों के अनुसार 'कुली' ने 13वें दिन 1.87 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 262.47 करोड़ रुपये हो चुका है। 13वें दिन में आकर इसका कलेक्शन कम होने लगा है। जबकि शनिवार और रविवार को यह अच्छा-खास कलेक्शन करने में कामयाब रही थी। इसने शनिवार को 10.5 करोड़ रुपये और रविवार को 11.35 करोड़ रुपये बटोरे थे। लेकिन सोमवार को वीक डे आते ही इसका कलेक्शन कम हो गया, इसने सोमवार को बस 3.25 करोड़ रुपये कमाए हैं।

रजनीकांत की फिल्म 'कुली' का मुकाबला ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की बॉलीवुड फिल्म 'वॉर 2' से है। यह दोनों ही फिल्में पैन इंडिया रिलीज हुईं। फिल्म 'वॉर 2' की बात करें तो आज यानी 13वें दिन 1.69 करोड़ रुपये ही अपने खाते में जमा किए हैं, इसका कुल कलेक्शन भी अब तक 226.19 करोड़ रुपये रहा है। फिल्म 'कुली' के बजट की बात करें तो यह 350 करोड़ रुपये (मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार) में बनी है। अगर वीकएंड पर इसके कलेक्शन में बढ़ोतरी नहीं हुई तो इसके लिए अपना बजट वसूलना करना एक मुश्किल काम हो जाएगा।

अजब-गजब | दुनिया में सबसे ज्यादा सेल्फी से होने वाली मौतें और हादसे हो रहे हैं भारत में

दुनिया के वो देश जहां सेल्फी लेना है सबसे खतरनाक

लोग जब कहीं भी घूमने जाते हैं तो फोटोज खींचना नहीं भूलते। आजकल फोटोज के नाम पर सेल्फी क्लिक करना काफी कॉमन हो गया है। लोग अपनी तस्वीरें खूबसूरत लोकेशन्स पर खींचना चाहते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में कुछ ऐसे भी देश हैं जहां पर सेल्फी लेना सबसे खतरनाक है? हाल ही में एक लॉ फर्म ने शोध किया है और उन देशों का खुलासा किया है जहां सेल्फी लेना मौत को दावत देने जैसा है।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया के इस दौर में हर कोई परफेक्ट फोटो और सेल्फी लेना चाहता है लेकिन यही शौक कई बार लोगों की जान तक ले लेता है। हाल ही में द बार्बर लॉ फर्म की एक स्टडी ने खुलासा किया है कि दुनिया में सबसे ज्यादा सेल्फी से होने वाली मौतें और हादसे भारत में हो रहे हैं। अध्ययन के अनुसार, मार्च 2014 से मई 2025 के बीच दुनिया भर में हुए सेल्फी हादसों का विश्लेषण किया गया। आंकड़े बताते हैं कि कुल घटनाओं में से 42.1 प्रतिशत घटनाएं अकेले भारत में हुईं। भारत में इस दौरान 271 लोग सेल्फी के चलते हादसों का शिकार बने, जिनमें से 214 की मौत हुई और 57 घायल हुए। शोधकर्ताओं का कहना है कि भारत में घनी आबादी, जोखिम भरे स्थानों तक

आसान पहुंच (जैसे ट्रेन की पटरी, खड़ी चट्टानें और ऊंची इमारतें) और सोशल मीडिया का गहरा प्रभाव इन हादसों के प्रमुख कारण हैं।

इस लिस्ट में संयुक्त राज्य अमेरिका दूसरे स्थान पर रहा, जहां कुल 45 हादसे हुए (37 मौतें और 8 चोटें)। वहीं रूस तीसरे स्थान पर है, जहां 19 हादसे दर्ज हुए (18 मौतें और 1 घायल)। चौथे स्थान पर पाकिस्तान आता है जहां 16 मौतें हुई हैं। पांचवें पर ऑस्ट्रेलिया रहा, जहां 15 घटनाएं हुईं (13 मौतें और 2 घायल)। इसके अलावा इंडोनेशिया (14), केन्या (13), ब्रिटेन (13), स्पेन (13) और ब्राज़ील (13) टॉप-10 देशों में शामिल हैं।

स्टडी के अनुसार, सेल्फी से होने वाली मौतों का सबसे बड़ा कारण ऊंचाई से गिरना है। यह दुनिया भर के लगभग 46त्न हादसों के लिए जिम्मेदार है। लोग ऊंची इमारतों, चट्टानों, पहाड़ों और पुलों से फोटो लेने की कोशिश करते हैं और कई बार जान से हाथ धो बैठते हैं। स्टडी में यह भी बताया गया कि इंस्टाग्राम और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर वायरल कंटेंट बनाने की होड़ लोगों को ज्यादा खतरनाक जगहों पर सेल्फी लेने के लिए प्रेरित करती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि परफेक्ट फोटो की चाह कई बार सामान्य सुरक्षा नियमों को नज़रअंदाज़ करा देती है। हाल ही में भारत में एक पर्यटक ने हाथी के साथ फोटो लेने की कोशिश की, लेकिन हाथी ने उसे बुरी तरह घायल कर दिया। यह हादसा सौभाग्य से जानलेवा नहीं साबित हुआ, लेकिन इस घटना ने फिर यह साबित कर दिया कि लापरवाही जान तक ले सकती है। द बार्बर लॉ फर्म के संस्थापक क्रिस बार्बर ने कहा हमारे शोध से यह साफ है कि सोशल मीडिया वेलिडेशन की चाहत लोगों की जान ले रही है। परफेक्ट फोटो किसी भी तरह के खतरे के लायक नहीं है।

दुनिया का सबसे मोटा कैदी, 300 किलो है वजन देख-रेख में रोज खर्च होते हैं 1 लाख रुपये!

जेल में बंद कैदियों के ऊपर सरकार को काफी रुपये खर्च करने पड़ते हैं। याद करिए जब अजमल कसाब को गिरफ्तार किया गया था तो भारत में इस बात को लेकर हंगामा मचा था कि उसपर क्यों ज्यादा खर्च किया जा रहा है, अच्छा खिलाया-पिलाया जा रहा है। ऐसा ही हंगामा अब ऑस्ट्रिया में मचा है। दरअसल, यहां पर एक कैदी के ऊपर सरकार को इस वजह से ज्यादा रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं क्योंकि वो बेहद मोटा है। वो व्यक्ति 300 किलो के करीब है। इस वजह से उसकी देख-रेख में बहुत मेहनत और खर्च हो रहा है। ऑस्ट्रिया इन दिनों एक अनोखे मामले को लेकर सुर्खियों में है। यहां के न्याय विभाग के सामने 29 वर्षीय एक ऐसा कैदी आया है जिसका वजन करीब 300 किलो है और जिसकी देखभाल पर सरकार को सामान्य कैदी की तुलना में दस गुना ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह व्यक्ति मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके घर पर छापेमारी की तो वहां से 45 किलो गांजा, 2 किलो कोकीन, लगभग 2 किलो अम्फ़ेटामिन और 2000 से अधिक एक्स्टेसी टैबलेट्स बरामद हुए। इसके बाद उसे वियना की जोसेफस्टाट जेल में रखा गया, लेकिन उसका बिस्तर टूटने की स्थिति में पहुंच गया। नतीजतन, उसे वियना से लगभग 15 किलोमीटर दूर कोर्नेउबर्ग जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। इस कैदी का वजन लगभग 289 किलो है। उसकी सुरक्षा और सुविधा के लिए एक विशेष रूप से वेल्ड की गई मजबूत खाट तैयार की गई है। इसके साथ ही बाहरी नर्सें उसे दिन-रात देखभाल प्रदान करती हैं। न्यायिक सूत्रों के मुताबिक, उसकी देखभाल पर रोजाना करीब 1,800 यूरो का खर्च आता है, जबकि सामान्य कैदी पर यह खर्च लगभग 180 यूरो है। स्थानीय अखबार क्रोनन साइटुंग ने लिखा कि फ्रजब आम नागरिकों को डॉक्टर के अपॉइंटमेंट के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता है, तब गंभीर अपराधियों पर इतनी अधिक रकम खर्च किया जाना लोगों में नाराज़गी पैदा कर रहा है। इस खबर के सामने आने के बाद ऑस्ट्रिया में बहस छिड़ गई है कि आखिरकार करदाताओं का पैसा ऐसे अपराधियों पर क्यों खर्च किया जा रहा है।

अपने पद का सम्मान करें पीएम

बंगाल में हैं चोर वाले भाजपा के बयान पर ममता बनर्जी नाराज

» टीएमसी प्रमुख बोलीं- छात्र किसी अन्याय के आगे न झुकें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपने पद का सम्मान करने की अपील की और कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि प्रधानमंत्री राज्य के लोगों को चोर कहकर पूरे राज्य का अपमान करेंगे। प्रधानमंत्री की हालिया टिप्पणियों का जिक्र करते हुए, जिसमें उन्होंने कहा था कि भ्रष्टाचार, अपराध और तृणमूल कांग्रेस एक दूसरे के पर्याय हैं, बनर्जी ने कहा, मुझे प्रधानमंत्री से इसकी उम्मीद नहीं है। मैं उनके पद का सम्मान करती हूं, लेकिन उन्हें भी हमारे पद का सम्मान करना चाहिए।

उन्हें यह क्यों कहना चाहिए, मैंने धन रोक दिया क्योंकि बंगाल में चोर हैं? अब एक दिन बाज ममता ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया है। और उन्हें किसी भी अन्याय के आगे न झुकने का आदेश दिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को अपनी पार्टी की छात्र शाखा के सदस्यों से किसी भी परिस्थिति में अन्याय से समझौता न करने का आह्वान किया। तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के स्थापना दिवस पर इसके सदस्यों को बधाई देते हुए बनर्जी ने कहा कि अन्याय के खिलाफ किसी भी लड़ाई में वे उन्हें हमेशा अपने साथ पाएंगे। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, तृणमूल छात्र परिषद के इस ऐतिहासिक स्थापना दिवस पर मैं सभी नए और पुराने सदस्यों को हार्दिक बधाई देती हूं। तृणमूल छात्र परिषद तृणमूल परिवार का एक अभिन्न अंग है। बंगाल को और भी उन्नत व मजबूत बनाने के लिए हमारे संघर्ष में वे भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, आज के इस खास दिन पर, मैं अपने युवा साथियों से कहना चाहती हूं, किसी भी परिस्थिति में अन्याय से समझौता न करें। अपना मस्तक ऊंचा करके जिएं। अन्याय के खिलाफ किसी भी लड़ाई में, आप मुझे हमेशा अपने साथ पाएंगे। सभी स्वस्थ रहें।

टीएमसी छात्र इकाई को सीएम का बड़ा संदेश

युवाओं की अपनी आवाज उठाने का मंच है टीएमसी : अभिषेक

ममता के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि टीएमसीपी एक ऐसा मंच बना हुआ है जो युवाओं को अपनी आवाज उठाने, अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने और एक उज्जवल भविष्य में योगदान देने के लिए सशक्त बनाता है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, टीएमसीपी के स्थापना दिवस पर, हम परिवर्तन, प्रगति व सामाजिक न्याय के आंदोलनों का नेतृत्व करने में बंगाल के युवाओं की भूमिका की सराहना करते हैं। टीएमसीपी एक ऐसा मंच रहा है जो युवाओं के लिए अपनी आवाज उठाने, अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने और एक उज्जवल भविष्य में योगदान देने के लिए सशक्त बनाता है।

ट्रंप टैरिफ पर अब जाग जाओ सरकार : रघुराम

» पूर्व आरबीआई गवर्नर की सरकार को चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय एक्सपोर्ट पर 50 फीसद टैरिफ लगा दिया है। इसके चलते कपड़ा, हीरा और झींगा कारोबार काफी प्रभावित होगा। अब भारत पर लगे इस टैरिफ को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और मशहूर अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने बेहद चिंताजनक बताया है। रघुराम राजन ने कहा कि भारत के लिए किसी एक व्यापारिक साझेदार पर अधिक निर्भर रहना ही आपदा के समान है और ये एक बड़ी चेतावनी है। राजन ने चेतावनी दी कि आज की वैश्विक व्यवस्था में व्यापार, निवेश और वित्त को तेजी से हथियार बनाया जा रहा है और भारत को सावधानी से कदम उठाने चाहिए। बता दें कि बुधवार को लागू हुए वाशिंगटन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। इसमें भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से जुड़ा 25 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल है।

हालांकि भारत को रूसी कच्चा तेल खरीदने के लिए ट्रंप सरकार द्वारा कठोर कर का सामना करना पड़ा है, तो वहीं रूसी तेल का सबसे बड़ा आयातक - चीन और यूरोप पर कोई बड़ा टैरिफ नहीं लगाया गया। रघुराम राजन ने कहा कि व्यापार अब हथियार बन गया है। उन्होंने आगे कहा, यह एक चेतावनी है। हमें किसी एक देश पर बहुत अधिक निर्भर नहीं होना चाहिए। हमें पूर्व की ओर, यूरोप की ओर, अफ्रीका की ओर देखना चाहिए और अमेरिका के साथ आगे बढ़ना चाहिए, लेकिन ऐसे सुधारों को लागू करना चाहिए जो हमें अपने युवाओं को रोजगार देने के लिए आवश्यक 8-8.5प्रतिशत की विकास दर हासिल करने में मदद करें।

विधायक के बाद महापौर भी पहुंचीं सीएम दरबार

» राजधानी की स्थिति को लेकर सुषमा खर्कवाल ने योगी से की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी की बदहाल स्थिति को लेकर एक ओर जहां विधायक राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री से मिलकर नगर निगम व नगर विकास विभाग की शिकायत की वहीं बुधवार को महापौर सुषमा खर्कवाल भी लोकभवन पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की बात कही। कहा कि मलेशिया में सम्पन्न एशियन 2025 सम्मेलन की रिपोर्ट उन्हें दी है। महापौर के मुताबिक उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इस सम्मेलन में शहरी विकास, स्वच्छता प्रबंधन और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे विषयों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहन चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि लखनऊ को स्मार्ट और ग्रीन सिटी के रूप में विकसित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभवों का लाभ उठाया जाएगा।महापौर ने नगर निगम लखनऊ द्वारा संचालित योजनाओं की भी जानकारी मुख्यमंत्री को दी। इसमें स्वच्छता व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और आधारभूत संरचना विकास से जुड़े कार्य शामिल रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया कि लखनऊ को स्वच्छ और आधुनिक शहर बनाने की दिशा में नगर निगम लगातार काम कर रहा है।

नगर निगम की सफाई एजेंसी पर बड़ी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जोन-8 अन्तर्गत विद्यावती द्वितीय वार्ड स्थित नावाड रोड, एलडीए पार्क, जोनल पार्क, गुरुद्वारा रोड एवं पराग रोड की सफाई व्यवस्था का अपर नगर आयुक्त डॉक्टर अरविंद कुमार राव ने औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया कि सेक्टर-एम, आशियाना के पास नाला क्षतिग्रस्त होने से उसमें शिल्ट जमा है, जिसके कारण पानी का बहाव अवरुद्ध है। इस पर अधिशासी अभियंता, जोन-8 को तत्काल नाले की सफाई कराने का निर्देश दिया गया। वहीं, जोनल पार्क के पास समय से कूड़ा न उठाए जाने के चलते भारी मात्रा में कूड़ा जमा पाया गया, जिससे दुर्गंध फैल रही थी।

जिससे स्थानीय नागरिकों ने रोष भी व्यक्त किया। साफ-सफाई की स्थिति बेहद दयनीय और उपेक्षित पाई गई, जो न केवल क्षेत्रवासियों के लिए असुविधा का कारण बनी, बल्कि नगर निगम की छवि को भी नुकसान पहुंचाने वाली रही। समय-समय पर चेतावनी और निर्देश दिए जाने के बावजूद सुधार न करने पर संबंधित संस्था लॉयन एन्वॉयरो प्रा. लि. पर दो लाख रुपये का आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया। संस्था को यह भी सख्त निर्देश दिए गए कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही और शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

» गंदगी देख भड़के अपर नगर आयुक्त

» वार्डों में गंदगी देख लगाया 2 लाख रुपये का जुर्माना

नगर निगम कर्मचारी संघ और प्रशासन के मध्य महत्वपूर्ण वार्ता संपन्न

लखनऊ। नगर निगम कर्मचारी संघ, लखनऊ और नगर निगम प्रशासन के मध्य बाबू राज कुमार श्रीवास्तव हाल, लालबाग में वार्ता संपन्न हुई। इस वार्ता में कर्मचारियों की लंबित मांगों पर चर्चा की गई और कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी। वार्ता में नगर आयुक्त महोदय की प्रतिनिधि के रूप में अपर नगर आयुक्त महोदय सामान्य प्रशासन नम्रता सिंह, प्रभारी अधिकारी अधिष्ठान विकास सिंह व कार्यालय अधीक्षक महेंद्र वर्मा, सहायक लेखा अधिकारीराजीव कुमार सिंह, अधिष्ठान लिपिकरमेश चौरसिया संघ अध्यक्ष आनंद वर्मा और महामंत्री शमील एखलाक एवं संघ के अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। वार्ता के दौरान कर्मचारियों के लम्बित 30 सूत्रीय मांग-पत्र पर चर्चा कर विभिन्न बिंदुओं पर सहमति बनी।

यूपी टी-20 : नोएडा सुपर किंग्स ने मारी बाजी

» गोरखपुर लायंस को 26 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपने बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बल पर यूपी टी-20 लीग के मुकाबले में नोएडा सुपर किंग्स ने गोरखपुर लायंस को 26 रनों से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में खेले गए दूसरे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए नोएडा ने अपने तीन बल्लेबाजों के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में दो विकेट पर 248 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में गोरखपुर पीछा करते हुए निर्धारित ओवरों में आठ विकेट खोकर 222 रन ही बना सकी।

गोरखपुर की शुरुआत खराब रही। आराध्य शून्य के स्कोर पर सत्यम चौहान द्वारा कैच आउट हो गए। इसके बाद भास्कर भारद्वाज और कप्तान अक्षदीप नाथ के बीच अच्छी साझेदारी हुई। भारद्वाज ने 30 गेंद में 40 रन बनाए। करण शर्मा ने उन्हें बोल्ड किया। कप्तान अक्षदीपनाथ ने 34 गेंद पर अर्धशतक की पारी खेलते हुए 52 रन बनाए। 12वें ओवर में 102 रन पर गोरखपुर के तीन विकेट गिर गए थे। उसके बाद दो विकेट और जल्दी-जल्दी गिर गए। इससे पहले नोएडा के दोनों बल्लेबाजों को सिद्धार्थ यादव ने आउट किया। सलामी बल्लेबाज शिवम चौधरी अनिवेश चौधरी ने शिवम ने 35 गेंद में दो छक्कों और चार चौकों की मदद से 46 रन बनाए। अनिवेश चौधरी ने 40 गेंद में 63 रन का योगदान दिया चार छक्के और 5 चौके जड़े।

प्रिंस यादव-हरप्रीत सिंह के बीच अच्छी साझेदारी

छठे विकेट के लिए प्रिंस यादव और हरप्रीत सिंह के बीच ताबड़तोड़ साझेदारी हुई। दोनों ने अगले करीब दो ओवर में 40 रन जोड़ दिए। दोनों की बल्लेबाजी ने उम्मीद जगा दी। लेकिन 17 वें ओवर की पहली गेंद पर हरप्रीत के आउट होने के बाद उम्मीदें कम हो गईं। अगले बल्लेबाज शिव शर्मा भी कुछ खास नहीं कर सके। वह 4 रन के स्कोर पर आउट हो गए।

राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा में उमड़ी भीड़ से उड़ी भाजपा की नींद

जुटे इंडिया गठबंधन के दिग्गज, सीतामढ़ी पहुंचा काफिला, कई मुद्दों पर होगी एनडीए की घेराबंदी

» तेलंगाना सीएम रेवंत को लेकर भाजपा ने उठाए सवाल

» तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पर बरसे जनसुराज अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में इंडिया गठबंधन की चल रही वोट अधिकारी यात्रा में जुट रही अपार भीड़ से भाजपा व जदयू तो घबरा ही गई है। अब जनसुराज पार्टी के नेता पीके भी बिफर गए हैं। बता इस यात्रा में तेलंगाना, तमिलनाडु के सीएम, यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी पहुंचे। उधर राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा व तेजस्वी पूरे राज्य को मथ रहे। यात्रा में जनसमर्थन से जहां ये नेता खुश हैं वहीं भाजपा ने दक्षिण के मुख्यमंत्रियों के आगमन पर सवाल उठाए हैं।

प्रशांत किशोर ने बिहार में एमके स्टालिन की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान उन पर गंभीर आरोप लगाए, सवाल उठाया कि जब तमिलनाडु में बिहार के बच्चों की हत्या का कथित प्रकरण हुआ था तब वे कहाँ थे। यह तीखा हमला कांग्रेस और तेजस्वी यादव के चरित्र पर भी सवाल खड़ा करता है, जो आगामी बिहार चुनावों से पहले राजनीतिक तापमान बढ़ा रहा है।

राहुल गांधी ने सीतामढ़ी में तेजस्वी संग किया मां सीता के दर्शन

राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और पप्पू यादव ने सीतामढ़ी के जानकी मंदिर में पूजा अर्चना की। राहुल ने एक दिन पहले ही जानकी मंदिर में दर्शन की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि उस समय प्रशासन ने सुरक्षा कारणों के कारण परमिशन नहीं दी थी। बाद में रूट तय करके ये परमिशन दी गई। बड़ी मशक्कत के बाद कल सुबह राहुल-तेजस्वी के मां जानकी मंदिर दर्शन का कार्यक्रम बन पाया। प्रशासन की तरफ से इस कार्यक्रम को लेकर पहले सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया था। प्रियंका गांधी भी मां जानकी मंदिर के दर्शन करना चाहती थीं। हालांकि रूट तय न हो पाने के कारण वे वापस दिल्ली आ चुकी हैं।

गरीब व वंचित परिवारों का वोट चोरी हो रहा : राहुल गांधी

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर दलों में सियासी घमासान मचा हुआ है। वहीं, प्रदेश में वोट अधिकार यात्रा अपने पड़ाव पर आगे बढ़ रही है। यात्रा के 12वें दिन लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का कारवां सीतामढ़ी पहुंच चुका है। इससे पहले उन्होंने रुन्नी सैदपुर में आयोजित सभा को संबोधित किया। केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जमकर घेरा है। आरोप लगाया कि इसके जरिए माध्यम से गरीब व वंचित परिवारों का वोट चोरी हो रहा है।

जब बिहार के बच्चों की हत्या हुई थी तब स्टालिन कहां थे : प्रशांत किशोर

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर निशाना साधा। स्टालिन अपने सहयोगियों और विपक्षी नेताओं के साथ मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल हुए और दक्षिणी राज्य में बिहार के बच्चों की कथित हत्या को लेकर स्टालिन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आज एमके स्टालिन बिहार आए हैं, उसी तमिलनाडु में जहाँ बिहार के बच्चों की हत्या की गई थी। उस समय स्टालिन कहाँ थे? कहीं न कहीं, यह कांग्रेस और तेजस्वी यादव के चरित्र को भी दर्शाता है।

भाजपा ने चुनाव आयोग को कठपुतली बनाया : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चुनाव आयोग को कठपुतली बनाने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि अगर चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए गए, तो आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए हार जाएगा। मुख्यमंत्री कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित मतदाता अधिकार यात्रा में भाग लेने के बाद बिहार के मुजफ्फरपुर में एक रैली को संबोधित कर रहे थे।

जम्मू-कश्मीर में सेना ने घुसपैठ की कोशिश की नाकाम

» दो आतंकवादी ढेर, तलाशी अभियान जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा ज़िले के गुरेज सेक्टर में नियंत्रण रेखा पार कर घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकवादियों को गुरुवार को भारतीय सेना ने मार गिराया। यह मुठभेड़ ऑपरेशन नौशेरा नार के तहत नौशेरा नार के पास हुई, जहाँ सतर्क सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे घुसपैठियों के एक समूह को घेर लिया।

दोनों ओर से कुछ देर तक गोलीबारी हुई, जिसके परिणामस्वरूप दो आतंकवादी मारे गए। यह ऑपरेशन नौशेरा नार के पास हुआ, जहाँ सतर्क सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे घुसपैठियों के एक समूह को घेर लिया, और गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए। मुठभेड़ के बाद, सुरक्षा बलों ने आसपास के इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई और घुसपैठिया या संदिग्ध गतिविधि मौजूद न हो। भारतीय सेना ने एक पोस्ट में अपडेट साझा करते हुए कहा, संभावित घुसपैठ की कोशिश के बारे में जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा दी गई खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरेज सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और उन्हें चुनौती दी।

ट्रंप टैरिफ के कहर से व्यापारी सहमे, मोदी सरकार पर बरसे

» विपक्षी ने भी एनडीए सरकार को घेरा, बोले नेता- पलटवार करे मोदी सरकार

» हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रम्प जैसे आयोजन किस काम आए, ट्रंप के सामने मोदी जी भीगी बिल्ली बने : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ दोगुना कर 50 प्रतिशत करने का निर्णय बुधवार (27 अगस्त) से लागू हो गया। इसके बाद से भारत व उसके सहयोगी देशों व भारत के सियासी दलों ने अमेरिका के राष्ट्रपति पर जोरदार हमला किया है।

पूर्व आरबीआई गवर्नर से लेकर आप संयोजक केजरीवाल, कांग्रेस नेता जयराम रमेश सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने व्यापार पर होने वाले प्रभाव पर चिंता जताई। साथ ही मोदी सरकार को भी आड़े हाथों लिया। उधर इन सब विवादों के बीच चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर कहा है कि अमेरिका का भारत पर लगाया गया 50 परसेंट टैरिफ देश के कई बड़े उद्योगों को तबाह कर सकता है। इससे लाखों की तादात में भारतीयों की आजीविका को खतरे में पड़ सकती है।

विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रम्प जैसे आयोजनों के बावजूद, भारत को अमेरिका

अमेरिकी कॉटन पर लगाया जाए 50 प्रतिशत टैरिफ

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने किसानों के मुद्दे पर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। सीएम ने गुरुवार (28 अगस्त) को दावा किया कि अमेरिका से जो कॉटन (कपास) भारत आता है, उस पर मोदी सरकार ने ड्यूटी हटा दी है। पहले 11 प्रतिशत ड्यूटी थी। केजरीवाल ने कहा, अमेरिका ने हमारे ऊपर टैरिफ लगाया, हमें कपास पर 50 पर्सेंट टैरिफ लगाना चाहिए था, लेकिन हमने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा, ये किसानों के साथ धोखा है. जब अक्टूबर में हमारे किसानों की कपास मंडी में आएगी, तब उन्हें औने पौने दाम पर बेचनी होगी। गुजरात, पंजाब, विदर्भ, तेलंगाना के किसानों पर असर पड़ेगा।

से कोई विशेष लाभ नहीं मिला है। विपक्षी नेताओं ने सरकार से केवल बयानबाजी के बजाय ठोस कार्रवाई करने की मांग की है। कांग्रेस सहित कई दलों ने मांग की है कि भारत भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाए। विपक्ष ने टैरिफ के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था, निर्यात और रोजगार पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है।

राजस्थान हाईकोर्ट का सरकार को झटका एसआई भर्ती परीक्षा रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती 2021 को रद्द कर दिया है। यह फैसला जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने सुनाया है। कोर्ट ने यह निर्णय 14 अगस्त को सुनवाई पूरी होने के बाद सुरक्षित रखे गए फैसले में दिया।

करीब एक साल पहले 13 अगस्त को भर्ती में गड़बड़ी के आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गई थीं, जिनमें पूरी प्रक्रिया को रद्द करने की मांग की गई थी। गौरतलब है कि एसआई भर्ती को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को 3 बार समय दिया गया था कि वह इस पर अपना कोई निर्णय ले, लेकिन सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया।

खराब मौसम की चेतावनी के बाद भी क्यों नहीं रोकी गई वैष्णो देवी यात्रा

» 41 लोगों की मौत पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में वैष्णो देवी यात्रा के दौरान भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने हाहाकार मचा दिया। रियासी और डोडा जिलों में मंगलवार (26 अगस्त) और बुधवार को हुई प्राकृतिक आपदा में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई।

इनमें से अधिकांश श्रद्धालु वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा कर रहे थे. जम्मू क्षेत्र में पिछले 24 घंटों में दर्ज की गई भीषण बारिश ने इलाके में तबाही मचा दी। तीर्थयात्रियों की मौत पर उमर अब्दुल्ला का सवाल उठाते हुए कहा कि मौसम विभाग की चेतावनी के बावजूद वैष्णो देवी यात्रा क्यों नहीं रोकी गई? इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तीर्थयात्रियों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और अधिकारियों से सवाल किया कि जब मौसम विभाग ने पहले से चेतावनी जारी की थी, तो यात्रा क्यों नहीं रोकी गई. उमर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जब हमें मौसम विभाग से चेतावनी मिली थी, तो क्या हम उन लोगों की जान बचाने के लिए कोई कदम नहीं उठा सकते थे? ये लोग ट्रैक पर क्यों थे और उन्हें सुरक्षित जगह क्यों नहीं पहुंचाया गया? उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले पर बाद में गंभीर चर्चा की जाएगी।

ईडी को मेरे घर कुछ नहीं मिला : सौरभ भारद्वाज

» आप नेता बोले- नियमों का किया उल्लंघन

» भाजपा बोली- फिल्मों की स्क्रिप्ट लिखें आप नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के दौरान उनसे हुई पूछताछ में नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ईडी के अधिकारियों ने उनके घर पर लंबे समय तक पूछताछ की, लेकिन उन्हें उनके घर कोई सबूत नहीं मिला।

उनके अनुसार, जांच एजेंसी ने उनके घर से बरामदगी के नाम पर केवल उन्हीं हलफनामा पत्रों को एकत्र किया है जिसे वे

चुनाव आयोग में जमा करा चुके हैं और वे दस्तावेज पहले ही सार्वजनिक हैं। वहीं, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि सौरभ भारद्वाज केवल झूठी कहानी सुना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सौरभ भारद्वाज को मुंबई जाकर फिल्मों की स्क्रिप्ट लिखनी चाहिए। आप नेता ने आरोप लगाया कि उनसे पूछताछ में बार-बार यह कहा गया कि उनसे जुड़े 13 ठिकानों पर रेड की गई, लेकिन उनके पास अपना घर छोड़कर कोई दूसरी संपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि एजेंसी को बताना चाहिए कि उनके नाम पर कौन-सी संपत्तियां दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि 20 घंटे की पूछताछ के बाद भी उनके पास कोई सबूत नहीं मिले हैं।

पीएम मोदी अपनी डिग्री असली है या नकली दिखाते क्यों नहीं : सिसोदिया

आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा, कल ईडी ने सौरभ भारद्वाज के घर पर 20 घंटे तक छापेमारी की... आजकल ईडी का एक ही काम है कि जब भी भाजपा किसी संकट में आती है, और जनता अमित शाह, पीएम मोदी से सवाल पूछती है, तो ईडी आकर छापेमारी करती है। आप नेता मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि कल का सारा ड्रामा इसलिए रचा गया क्योंकि परसों इस देश ने पीएम मोदी से सवाल पूछा था कि आपकी डिग्री असली है या नकली, आप दिखाते क्यों नहीं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।